



Haryana Government Gazette

Published by Authority

© Government of Haryana

No. 30-2026] CHANDIGARH, FRIDAY, JULY 24, 2026 (SRAVANA 2, 1948 SAKA)

PART-I

Notifications, Orders and Declarations by Haryana Government

हरियाणा सरकार

विरासत तथा पर्यटन विभाग

अधिसूचना

दिनांक 21 जुलाई, 2026

संख्या 12/250-2026/पुरा/2522-30.— चूंकि, हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि नीचे दी गई अनुसूची के खाना 1 में विनिर्दिष्ट पुरातत्वीय स्थलों और अवशेषों तथा प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारकों का हरियाणा प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल तथा अवशेष अधिनियम, 1964 (1964 का पंजाब अधिनियम 20) के अधीन संरक्षण अपेक्षित है;

इसलिए, अब, हरियाणा प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल तथा अवशेष अधिनियम, 1964 (1964 का पंजाब अधिनियम 20) की धारा 4 की उपधारा (1) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल, इसके द्वारा, नीचे दी गई अनुसूची के खाना 1 में विनिर्दिष्ट प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारकों को संरक्षित संस्मारक के रूप में तथा उक्त अनुसूची के खाना 2, 3, 4, 5, 6 तथा 7 में विनिर्दिष्ट पुरातत्वीय स्थलों और अवशेषों को संरक्षित क्षेत्र के रूप में घोषित करने का प्रस्ताव करते हैं।

इसके द्वारा, नोटिस दिया जाता है कि इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से दो मास की अवधि की समाप्ति पर या उसके पश्चात् सरकार, ऐसे आक्षेपों या सुझावों, यदि कोई हों, के साथ जो आयुक्त एवं सचिव, हरियाणा सरकार, विरासत तथा पर्यटन विभाग, चण्डीगढ़ द्वारा प्रस्ताव के सम्बन्ध में किसी व्यक्ति से इस प्रकार विनिर्दिष्ट अवधि की समाप्ति से पूर्व प्राप्त किए जाए, पर विचार करेगी।

अनुसूची

प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक का नाम	पुरातत्वीय स्थलों तथा अवशेष का नाम	गांव/शहर का नाम	तहसील/जिला का नाम	संरक्षणाधीन राजस्व खसरा/किला संख्या	संरक्षित किया जाने वाला क्षेत्र कनाल-मरला	स्वामित्व	विशेष कथन
1	2	3	4	5	6	7	8
प्राचीन स्थल खरहड़ अलीपुर	प्राचीन स्थल खरहड़ अलीपुर	खरहड़ अलीपुर	हिसार	खेवट संख्या 190 खसरा संख्या 31/6, 31/7	16-0	रतन सिंह पुत्र सरदारा	खरहड़ अलीपुर सरस्वती-सिंधु सभ्यता (हड़प्पा सभ्यता) के महत्वपूर्ण स्थलों में से एक है। यह दृषद्वती नदी

				खेवट संख्या 191 खसरा संख्या 23/24/1 , 23/25/1	9-15	चंद्रकला विधवा, राजेश कुमार पुत्र टेकचंद, मुकेश विधवा, अभिषेक पुत्र राजबीर	के किनारे पर स्थित था। स्थल के सांस्कृतिक क्रम को तीन कालों में विभाजित किया जा सकता है जैसे प्रारंभिक हड़प्पा काल, परिपक्व हड़प्पा काल और उत्तर हड़प्पा काल। प्रारंभिक हड़प्पा काल (सोथी-सिसवाल काल) ने ऊपरी सरस्वती घाटी में शहरी सभ्यता के विकास की नींव रखी। इस स्थल पर परिपक्व हड़प्पा काल की उत्कृष्ट विशेषताएं भी देखी जा सकती हैं। उत्तर हड़प्पा काल में, इस स्थल ने एक क्षेत्रीय केंद्र के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह स्थल सांस्कृतिक सामग्री, वास्तुकला, कृषि गतिविधियों और पशुपालन के क्रमबद्ध विकास को भी दर्शाता है।
				खेवट संख्या 192 खसरा संख्या 31/4/2, 31/5/1	8-18	सतबीर पुत्र सरदारा	
				खेवट संख्या 193 खसरा संख्या 31/4/1, 31/4/3, 31/5/2	11-18	आजाद सिंह पुत्र सरदारा	
				कुल क्षेत्र	46-11		

अतिम कुमार अग्रवाल,
आयुक्त एवं सचिव, हरियाणा सरकार,
विरासत तथा पर्यटन विभाग।

HARYANA GOVERNMENT
HERITAGE AND TOURISM DEPARTMENT

Notification

The 21st July, 2026

No. 12/250-2026/pura/2522-30.— Whereas, the Governor of Haryana is of the opinion that archaeological sites and remains and ancient and historical monument specified in column 1 of the Schedule given below requires protection under the Haryana Ancient and Historical Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1964 (Punjab Act 20 of 1964);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred under sub-section (1) of section 4 of the Haryana Ancient and Historical Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1964 (Punjab Act 20 of 1964), the Governor of Haryana hereby proposes to declare the ancient and historical monument specified in column 1 of the Schedule given below, to be protected archaeological sites and remains specified in columns 2, 3, 4, 5, 6 and 7 of the said Schedule to be protected area.

Notice is hereby given that the proposal shall be taken into consideration by the Government on or after the expiry of a period of two months from the date of publication of this notification in the Official Gazette, together with objections or suggestions, if any, which may be received by the Commissioner and Secretary to Government, Haryana, Heritage and Tourism Department, Chandigarh from any person with respect to the proposal before the expiry of the period so specified: -

SCHEDULE

Name of ancient and historical monuments	Name of archaeological sites and remains	Name of village/ city	Name of tehsil / district.	Revenue Khasra/ Kila number under protection.	Area to be protected Kanal- Marla	Ownership	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8
Ancient Site Kharar Alipur	Ancient Site Kharar Alipur	Kharar Alipur	Hisar	Khevat No. 190 Khasra No. 31/6, 31/7	16-0	Ratan Singh S/o Sardara	Kharar Alipur is one of the important site of Saraswati-Sindhu Civilization (Harappan Civilization). It was located on the bank of Drishadvati river. The cultural deposit of site can be divided into the three period such as Early Harappan, Mature Harappan and Late Harappan. The Early Harappan period (Sothi-Siswal Phase) provided a great foundation for development of urbanized civilization in the upper Saraswati Basin. The site has revealed the classical characteristics/features of the Mature Harappan period. During the late Harappan period, the site played an important role as regional centre. The site is also showing the proper linear development of cultural material, architecture, agricultural activities and animal husbandry.
				Khevat No. 191 Khasra No. 23/24/1, 23/25/1	9-15	Chanderkala widow, Rajesh Kumar S/o Tekchand, Mukesh widow, Abhishek s/o Rajbeer	
				Khevat No. 192 Khasra No. 31/4/2, 31/5/1	8-18	Satbeer S/o Sardara	
				Khevat No. 193 Khasra No. 31/4/1, 31/4/3, 31/5/2	11-18	Azad Singh s/o Sardara	
				Total area	46-11		

AMIT KUMAR AGRAWAL,
Commissioner and Secretary to Government Haryana,
Heritage and Tourism Department.